सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 01 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 320, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड फर्जी सर्टिफिकेट से वर्दी पहनने वाला निसार अंततः... » Pg04

शीतकालीन सत्र को प्रधानमंत्री मोदी ने गरमाया

» Pg12

चुनाव आयोग की डेडलाइन खत्म कर रही लाइफलाइन

बीएलओ कर रहे मौत की ड्यूटी, दे रहे जान

सर्वेश सिंह की आत्महत्या के बाद एक और महिला बीएलओ का ब्रेन हेमरेज, जिम्मेदार कौन? 7 दिनों के लिए बढ़े समय से निकलेगा हल?

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीएलओ की ड्यूटी से जुड़ा दबाव अब एक प्रदेश की समस्या नहीं रहा, यह पूरे देश में फैली उस चुपचाप जलती आग की तरह है जो निचले स्तर के कर्मचारियों को भीतर ही भीतर खत्म कर रही है। मुरादाबाद के सहायक अध्यापक सर्वेश सिंह की आत्महत्या ने एक बार फिर दिखाया कि चुनावी व्यवस्था की मशीनरी में सबसे कमजोर कड़ी वही लोग हैं जिन पर पूरी प्रक्रिया टिकी होती है, पर जिनकी तकलीफ किसी फ़ाइल में दर्ज नहीं होती।

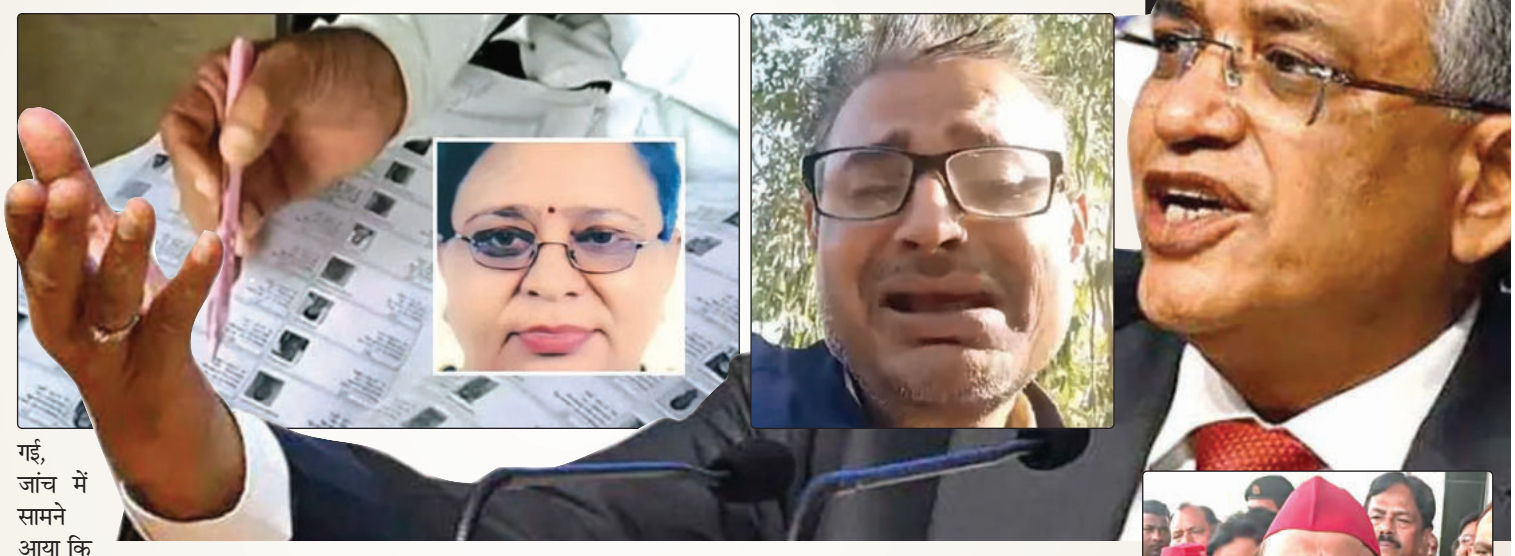

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में काम के कथित दबाव के चलते बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की ड्यूटी कर रहे एक सहायक अध्यापक ने रविवार को अपने घर के स्टोर रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक की पहचान भोजपुर के बहेड़ी गांव के एक सहायक शिक्षक सर्वेश सिंह (46) के रूप में हुई है।

सर्वेश भगतपुर टांडा गांव के एक स्कूल में तैनात था। वह सात अक्टूबर को बीएलओ बनाया गया था। तड़के करीब चार बजे सर्वेश की पत्नी बबली ने उसे फांसी पर लटकता पाया। उन्होंने बताया कि मौके पर मिले एक कथित सुसाइड नोट में सर्वेश ने घुटन और डर महसूस करने का जिक्र करते हुए लिखा है कि बीएलओ के काम के लिए दिया गया समय अपर्याप्त है। ठाकुरद्वारा के पुलिस क्षेत्राधिकारी आशीष प्रताप सिंह ने कहा, बीएलओ सर्वेश सिंह ने आत्महत्या कर ली है और एक सुसाइड नोट छोड़ा है। जिसमें लिखा है कि वह बीएलओ ड्यूटी का बोझ नहीं उठा पा रहे थे। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ऐसी मौतें सिर्फ उत्तर प्रदेश में नहीं हुई, बल्कि देशभर से लगातार उठती रहती हैं। कुछ संक्षिप्त उदाहरण इस त्रासदी की भयावहता को और स्पष्ट कर देते हैं। मध्य प्रदेश में पिछले वर्ष एक बीएलओ की तबीयत अचानक बिगड़ने पर अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जांच में सामने आया कि वह लगातार कई दिनों से गांव-गांव घूमकर फील्ड वेरिफिकेशन कर रहे थे।

बिहार में एक महिला बीएलओ की मृत्यु दिल का दौरा पड़ने से हुई, परिवार ने आरोप लगाया कि उन्हें रोजाना घंटों की ड्यूटी के साथ चेतावनी भरे कॉल मिलते थे, जबकि वह लंबे समय से बीमार थीं। राजस्थान में एक स्कूल शिक्षक, जो बीएलओ भी थे, गर्मी और अत्यधिक दबाव के बीच काम करते समय सड़क पर ही गिर पड़े और अस्पताल पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ दिया।

छत्तीसगढ़ में एक बीएलओ को दूरदराज के इलाकों में लगातार कई दिन भेजा गया, जहां लौटने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी और दो दिन बाद उनकी मौत हो गई।

इन सबके बावजूद चुनाव आयोग की रिपोर्टें हर बार कार्य सुचारु रूप से चलने का दावा करती हैं, और सरकार जिम्मेदारी को नियमों की दीवार के पीछे सुरक्षित रख देती है। नीचे वाले कर्मचारी हर बार यह उम्मीद करते हैं कि अब शायद बोझ कम होगा, समयसीमा मानवीय बनेगी, चेतावनियों की जगह सहयोग मिलेगा। लेकिन हर चुनाव से पहले वही पुराना चक्र शुरू होता है, और उसके बाद किसी फाइल में फिर एक नया नाम जोड़ दिया जाता है।

वेंटिलेटर पर हैं मुरादाबाद की महिला बीएलओ

उत्तर प्रदेश में एसआईआर का काम कर रहे बीएलओ के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर लगातार चिंताजनक खबरें सामने आ रही है। हाल ही मुरादाबाद के एक टीचर बीएलओ सर्वेश सिंह ने आत्महत्या कर ली। आरोप है कि वो एसआईआर का टारगेट पूरा न होने की वजह से तनाव में थे, जिसके चलते उन्होंने ये कदम उठाया। इसी तरह कई और बीएलओ की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। इसी बीच मुरादाबाद से एक ताजा मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक महिला बीएलओ को ब्रेन हेमरेज हो गया है। जिसकी वजह से वो काम करते-करते बेहोश हो गई और अब वेंटिलेटर पर है।

चुनाव आयोग की मोहलतः सुधार की उम्मीद या समय का विस्तार?

भारत निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे एसआईआर अभियान की समय सीमा को 7 दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अब यह प्रक्रिया 11 दिसंबर तक चलेगी। आपको बता दें कि एसआईआर के दूसरे चरण में अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को सुधारा जा रहा है।

चुनाव आयोग द्वारा समय सीमा बढ़ाए जाने से एक उम्मीद तो जरूर बनती है, लेकिन असली राहत तभी मिलेगी जब जमीन पर काम करने वाले कर्मचारियों का बोझ कम करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ। सात दिन की मोहलत वोटर लिस्ट सुधारने, कंट्रोल टेबल अपडेट करने और ड्राफ्ट रोल तैयार करने की प्रक्रिया को थोड़ा सुगम जरूर बनाती है, पर बीएलओ और फील्ड स्टाफ का दबाव तभी घटेगा जब कार्य विभाजन, डिजिटल सुविधाओं, मानव-बल और वास्तविक समयसीमा पर ईमानदार सुधार किए जाएँ। समय सीमा बढ़ने से मतदाताओं को भी अपनी जानकारी ठीक कराने में मदद मिलेगी, जिससे गलतियां कम होंगी और फील्ड वेरिफिकेशन का अनावश्यक दबाव थोड़ा हल्का हो सकेगा, लेकिन पूरी प्रक्रिया तब ही संतुलित होगी जब आयोग इस शेड्यूल के पीछे छिपी हकीकत को समझते हुए उस स्तर पर सुधार करे जहाँ दबाव सबसे ज्यादा महसूस होता है।

टारगेट पूरा न होने पर 28 बीएलओ पर रिपोर्ट दर्ज

उत्तर प्रदेश के बलिया से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां पर 28 ब्लह पर केस दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई एसआईआर के कार्यों में लापरवाही को लेकर हुई है। सूत्रों के मुताबिक, बैरिया तहसील क्षेत्र का ये मामला है। बैरिया के एसडीएम आलोक सिंह के तहरीर पर 28 बीएलओ पर केस दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि सिर्फ 25 प्रतिशत ही काम पूरा हुआ। बार-बार निर्देश देने के बाद भी काम पूरा नहीं हुआ। जिसके बाद उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

भड़के अखिलेश भाजपा बरसे

दिल्ली में संसद भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि ये जो बीएलओ की जानें जा रही हैं, ये भी ड्रामा है क्या? भाजपा पुलिस के साथ मिलकर ड्रामा करती है। मतदाताओं पर पिस्तौल लगा देती है। उसके पास संसाधन हैं, उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि इतनी हड़बड़ी क्यों है। कई जगहों पर हाल ये है कि बीएलओ को फॉर्म भरने में भी परेशानी हो रही हैं। उन्हें ट्रेनिंग नहीं दी गई है। एसआईआर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए होना चाहिए, लेकिन भाजपा चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा वोट काट दिए जाएं।

बिरहाना रोड पर किसना डायमंड एंड ज्वेलरी शोरूम का उद्घाटन

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया फीता काटकर शुभारंभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र बिरहाना रोड पर रविवार को किसना डायमंड एंड ज्वेलरी के नए भव्य शोरूम का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने फीता काटकर शोरूम का उद्घाटन किया और शोरूम के मालिक संतोष कुमार बाजपेयी व उनकी टीम को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उद्घाटन समारोह में डिप्टी सीएम ने कहा कि ज्वेलरी उद्योग देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है। कानपुर जैसे औद्योगिक शहर में किसना जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड का नए शोरूम के रूप में विस्तार न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाएगा, बल्कि शहरवासियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की क्वालिटी और डिज़ाइन का अनुभव भी देगा।

शोरूम के मालिक संतोष बाजपेयी ने बताया कि किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी भारत का एक मात्र सर्वाधिक भरोसेमंद ब्रांड है, जिसके देशभर में 123 से अधिक शोरूम संचालित हैं। उन्होंने कहा कि किसना के प्रमोटर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर घनश्याम धोलकिया वर्षों से विश्वस्तरीय डायमंड ज्वेलरी को आम उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

कानपुर में शोरूम खुलने से शहरवासियों को अब नवीनतम कलेक्शन, ट्रेंडिंग डिज़ाइन और प्रमाणित डायमंड ज्वेलरी एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। उद्घाटन कार्यक्रम में बीजेपी के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, क्षेत्रीय पार्षद विकास जायसवाल, कल्पना बाजपेई, सार्थक बाजपेई, सिद्धार्थ बाजपेई सहित शोरूम का पूरा स्टाफ और सम्मानित नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। शोरूम में ग्राहकों के लिए विशेष उद्घाटन ऑफर्स और नए कलेक्शन की प्रदर्शनी भी शुरू की गई है।

समाजसेवा और पुलिस सेवा के उत्कृष्ट नायकों को स्वर्ण कर्मयोगी सम्मान

बैदेही वेलफ़ेयर फ़ाउंडेशन के समारोह में पुलिस सेवाओं व सामाजिक कार्यों का हुआ सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। बैदेही वेलफ़ेयर फ़ाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वर्ण कर्मयोगी सम्मान समारोह 2025 सीजन 5 में उन्नाव के पुलिस दम्पति सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्र अपूर्व (प्रभारी, पुलिस कंट्रोल रूम) और सब इंस्पेक्टर रीना पाण्डेय को उत्कृष्ट पुलिस सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फ़ाउंडेशन की संस्थापक डॉ. रूबी राज सिन्हा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी अमीनाबाद कोतवाली सुनील आजाद मौजूद रहे।सम्मान प्राप्त करते हुए अनूप मिश्र अपूर्व और रीना पाण्डेय ने बताया कि शिक्षक व समाजसेवी प्रदीप कुमार वर्मा के साथ मिलकर शुरू किया गया 'ग्रीन एंड क्लीन उन्नाव' अभियान अब 'ग्रीन एंड क्लीन यूपी' के रूप में राज्यभर में पहचान बना चुका है। हजारों शिक्षक अपनेङ्कअपने विद्यालयों और गांवों को स्वच्छ व हराङ्कभरा बनाने के मिशन में सक्रिय हैं। दंपति ने इसे सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। ग्रीन एंड क्लीन यूपी अभियान के मुख्य सहसंयोजक एवं पीएसपीएसए के जिला महामंत्री/मंडल मंत्री प्रदीप कुमार वर्मा ने अनूप मिश्र को बधाई देते हुए कहा कि समाज में वास्तविक बदलाव वही ला सकता है, जो निस्वार्थ भाव से जनहित में कार्य करे। उन्होंने अभियान को एक उभरते जनआंदोलन का स्वरूप बताते हुए दोनों पुलिस अधिकारियों की प्रतिबद्धता की सराहना की। फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. रूबी राज सिन्हा ने कहा कि समाज की सुरक्षा और सेवा में जुटे कर्मयोगियों का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने इस तरह के समारोहों को सकारात्मक ऊर्जा और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने वाला कदम बताया।

एक उम्मीद के शिक्षा अभियान में बांटी गई शिक्षण सामग्री

» एनजीओ के राष्ट्रीय नेतृत्व और जिला टीम की मौजूदगी में अध्ययन-सामग्री पाकर बच्चों में दिखा उत्साह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। एक उम्मीद जन कल्याण सेवा समिति द्वारा सोमवार को प्राथमिक विद्यालय भौती प्रतापपुर में शिक्षा सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एक उम्मीद एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित यादव, राष्ट्रीय सचिव दीक्षा यादव के निर्देशन और कानपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष पवन चौहान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। समिति के इस जनकल्याणकारी प्रयास का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी अध्ययन संबंधी आवश्यकता को पूरा करना रहा। कार्यक्रम में बच्चों को कॉपियाँ, पेन, पेंसिल, ड्राइंग शीट्स, जलपान सहित अन्य शिक्षण सामग्री प्रदान की गई। सामग्री पाकर छात्रों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था।कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष पवन चौहान ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने का संदेश दिया और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। समिति पदाधिकारियों तथा विद्यालय स्टाफ ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया। सभी ने इस पहल को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और समाज की प्रगति की दिशा में सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पवन चौहान (जिलाध्यक्ष कानपुर ग्रामीण), विवेक पांडे (जिला सचिव), विजय कश्यप (जिला सचिव), आर्यन शर्मा (जिला मीडिया प्रभारी), मान सिंह (बिठूर विधानसभा अध्यक्ष), अभय सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष कल्याणपुर), आर.के. शर्मा (संगठन मंत्री), संतोष सिंह उर्फ बउवा (भौती प्रतापपुर ग्राम पंचायत अध्यक्ष), जीतू सिंह (मीडिया प्रभारी बिठूर), राम पांडे (विधानसभा मंत्री), अभिषेक चौरसिया, कार्यालय प्रभारी बलदेव सिंह तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक नीलिमा तिवारी सहित छाया दीक्षित, सीता रानी, रश्मि मिश्रा, प्रीति पांडे और विधान कुमार आदि मौजूद रहे।

बृजेंद्र स्वरूप पार्क में गरीबों के लिए खुला मंगल भवन

» विधानसभा अध्यक्ष और महापौर ने किया 'केआईजेसी मंगल भवन' का उद्घाटन

» सतीश महाना ने कहा कि देशभर के लिये बनेगा प्रेरणा

» 11,000 में उपलब्ध होगा गरीब परिवारों के लिये मांगलिक कार्यक्रम स्थल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में सामाजिक उत्थान का एक अनोखा उदाहरण पेश करते हुए 'केआईजेसी मंगल भवन' का रविवार को उद्घाटन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर प्रमिला पांडे मौजूद रहीं। नगर निगम की जमीन और जेसीआई कानपुर इंडस्ट्रियल के 2.50 करोड़ रुपये के सीएसआर सहयोग से रिकॉर्ड नौ महीनों में तैयार हुए इस मंगल भवन को गरीब एवं निर्बल परिवारों को मात्र ?11,000 में उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि जेसीआई द्वारा निर्मित यह मंगल भवन गरीब परिवारों के सपनों का सहारा बनेगा। उन्होंने इसे पूरे देश के लिये प्रेरणादायक बताया और कहा कि 11 हजार रुपये में इस स्तर की सुविधा देशभर में कहीं नहीं मिल सकती। महाना ने कहा कि शहर तभी आगे बढ़ता है जब सभी अपना योगदान दें और जेसीआई का यह प्रयास अन्य संस्थाओं के लिये मिसाल है।महापौर प्रमिला पांडे ने स्पष्ट किया कि मंगल भवन का संचालन व मालिकाना हक नगर निगम के पास रहेगा और गरीबों की सेवा प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री के सीएसआर विज़न और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन का उत्कृष्ट उदाहरण है। महापौर ने कहा कि उनका संकल्प है कि यह भवन भविष्य में भी केवल गरीबों की सेवा के लिये ही कार्य करता रहे। साथ ही उन्होंने महिलाओं के लिए एक विशेष मार्केट बनाने का भी संकल्प दोहराया।

मंगल भवन का निर्माण 11 सितंबर 2024 को हुए एमओयू के बाद तेजी से आगे बढ़ा। 18 जनवरी 2025 को नगर विकास मंत्री द्वारा वर्चुअल भूमि पूजन के बाद निर्माण कार्य को गति मिली। जेसीआई ने दो करोड़ रुपये सीएसआर के तहत नगर निगम को दिए और 50 लाख रुपये अतिरिक्त लगाए। निगम की टेंडरिंग प्रक्रिया के बाद निर्माण कार्य कानपुर शटर कंपनी को सौंपा गया, जिसने नौ महीने में भवन तैयार कर दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी ने भी इस परियोजना को सराहनीय बताया था।

मंगल भवन पर मालिकाना हक और रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी नगर निगम के पास रहेगी। इसके लिये एक समिति बनाई जाएगी जिसमें महापौर, नगर आयुक्त, जेसीआई के वर्तमान व पूर्व अध्यक्ष के साथ दो सदस्य शामिल होंगे। यह समिति सुनिश्चित करेगी कि भवन का उपयोग केवल गरीबों के लिये हो और किसी भी प्रकार का दुरुपयोग न हो। इस मौके पर

जेसीआई के पूर्व अध्यक्ष आकाश गोयनका, विधायक गोविंद नगर सुरेंद्र मैथानी, विधायक नीलिमा कटियार, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, जेसीआई के प्रेसिडेंट प्रणीत अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मंगल भवन की विशेषताएं

कुल क्षेत्रफल-3,184.02 वर्गमीटर
निर्मित क्षेत्र-961.54 वर्गमीटर
लॉन-849.71 वर्गमीटर (क्षमता 750 व्यक्ति)
बैंक्वेट हॉल- 423.29 वर्गमीटर (क्षमता 300 व्यक्ति)
मल्टीपरपज़ हॉल- 66.75 वर्गमीटर (क्षमता 60 व्यक्ति)
कुल क्षमता- 1,110 व्यक्ति
42 कारों और 300 बाइकों की पार्किंग
किचन, दो ऑफिस रूम और दो गेस्ट रूम की सुविधा

सरकारी पार्कों के निजीकरण को लेकर मेयर-सांसद भिड़े, रक्षा मंत्री के सामने हुआ हंगामा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के बृजेंद्र स्वरूप पार्क में बनाए गए मंगल भवन को लेकर उठे विवाद ने रविवार को बीजेपी के भीतर सियासी तापमान बढ़ा दिया। सरकारी पार्कों के निजीकरण के आरोपों ने मामला इस कदर तूल पकड़ लिया कि एयरपोर्ट पर रक्षामंत्री के सामने ही सांसद रमेश अवस्थी और महापौर प्रमिला पांडेय आमने-सामने भिड़ गए।

करीब दस मिनट तक चली तीखी बहस के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बीच-बचाव करना पड़ा।

नगर निगम ने जेसीआई के सहयोग से पार्क की 3,184.02 वर्गमीटर जमीन पर गरीब परिवारों के लिए मांगलिक कार्यक्रम कराने हेतु मंगल भवन बनवाया है। रविवार को इसका उद्घाटन रक्षामंत्री के हाथों होना था, परंतु कार्यक्रम अचानक निरस्त हो गया।

सांसद रमेश अवस्थी ने आरोप लगाया था कि नगर निगम ने बेशकीमती सरकारी जमीन निजी हाथों में दे दी है और इस पर उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। इसी शिकायत के बाद उद्घाटन टल गया।

रविवार दोपहर एयरपोर्ट पर रक्षामंत्री के स्वागत के दौरान महापौर प्रमिला पांडेय ने खुलकर आपत्ति जताई कि सांसद की शिकायत पर उद्घाटन रोका गया है। इस पर सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम रद्द नहीं कराया बल्कि भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है।

आरोप-प्रत्यारोप की बहस तेज होती गई, माहौल गर्म हो गया। अंततः रक्षा मंत्री ने हस्तक्षेप करते हुए दोनों को शांत कराया और स्पष्ट कहा कि कार्यक्रम किसी के दबाव में नहीं रोका गया।

सांसद ने मास्टर प्लान व हलज़ के नियमों पर उठाए सवाल

बृजेंद्र स्वरूप पार्क में बने मंगल भवन पर शहरी नियोजन और मास्टर प्लान के प्रावधान भी सवालों में हैं। नियमों के अनुसार किसी भी पार्क में पांच प्रतिशत से अधिक पक्का निर्माण नहीं किया जा सकता, जबकि यहां बड़े पैमाने पर निर्माण हो चुका है। इसी आधार पर कई जनप्रतिनिधियों ने आपत्ति उठाई है।

सांसद देवेंद्र सिंह 'भोले' ने भी नगर आयुक्त और जिलाधिकारी को पत्र भेजकर उद्घाटन स्थगित करने और पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग की।

उन्होंने दिशा की बैठक में उठाए गए सवालों का हवाला देते हुए कहा कि जब तक जांच पूरी न हो, मंगल भवन का संचालन न किया जाए।

मामले ने बढ़ाई राजनीतिक सरगर्मी

एक ओर मेयर नगर निगम की पहल को गरीबों के लिए बड़ी सुविधा बता रही हैं, वहीं सांसद भ्रष्टाचार और भूमि दुरुपयोग का आरोप लगाकर पीछे हटने को तैयार नहीं। दोनों की खुली तकरार से बीजेपी के भीतर हलचल बढ़ गई है। सरकारी पार्कों के निजीकरण और नियमों के उल्लंघन का मामला अब शहर की राजनीति में बड़ा मुद्दा बन गया है।

शाम को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मंगल भवन का उद्घाटन कर दिया,

लेकिन मेयर-सांसद विवाद ने इस प्रोजेक्ट को सुर्खियों में ला दिया है। शहर की सियासत में अब यह सवाल जोर पकड़ रहा है कि क्या पार्कों में ऐसे निर्माण से सार्वजनिक संपत्ति निजी हितों के हवाले की जा रही है?

फर्जी सर्टिफिकेट से वर्दी पहनने वाला निसार अंततः पकड़ा गया

छः साल तक पुलिस को चकमा देता रहा, असली साहिल की पहचान चुराकर बना सैनिक

शातिर बेनकाब

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर/कानपुर। सेना जैसी अनुशासित और प्रतिष्ठित सेवा में प्रवेश पाने के लिए फर्जी दस्तावेज़ों का सहारा लेने वाला शातिर आरोपी निसार अहमद उर्फ़ साहिल (36) आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ ही गया। छह साल से फरारी काट रहा यह आरोपी खुद को चालाक समझ रहा था, मगर बिल्हौर पुलिस की बारीक निगरानी और गोपनीय जानकारी ने उसकी पूरी चालाकी बेनकाब कर दी।

» अख़बार में झूठा विज्ञापन तक छपवाया था।

» पहचान की पूरी कहानी थी किसी फिल्मी थ्रिलर स्क्रिप्ट जैसी।

» गिरफ्तारी के वक्त निसार पूरी तरह सकपकाया।

जानकारी के मुताबिक कन्नौज के तिर्वा थाना क्षेत्र के विशन्धुआ गांव का रहने वाला निसार, सेना में भर्ती होने का शौक तो रखता था लेकिन योग्यता नहीं। ऐसे में उसने एक फिल्मी स्टाइल में योजना बनाई। पहले अखबार में फर्जी विज्ञापन छपवाया, फिर शेषपुर धर्मशाला, बिल्हौर निवासी मो. साहिल के नाम पर शैक्षिक बोर्ड से डुप्लीकेट प्रमाण पत्र निकलवाए। इन दस्तावेज़ों के सहारे निसार ने खुद को असली साहिल दिखाते हुए सेना भर्ती में दस्तावेज़ जमा कर दिए और चयन भी पा लिया।

असली साहिल को लगा झटका, खुल गया पूरा खेल

2018 में जब असली साहिल को पता चला कि कोई उसकी पहचान का इस्तेमाल कर वर्दी पहन चुका है तो उसने बिल्हौर कोतवाली में मुकदमा दर्ज करा दिया। केस दर्ज होते ही निसार भूमिगत हो गया और पुलिस को चकमा देते हुए गायब हो गया।

सोमवार रात बिल्हौर पुलिस को भनक मिली कि निसार अपने ससुराल कठिका (रसूलाबाद, कानपुर देहात) से झीझक की ओर रवाना होने वाला है।

सूचना मिलते ही कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने पुलिस टीम सक्रिय किया और कुन्तलिया मार्ग पर घेराबंदी कर उसे शांतिपूर्वक दबोच लिया। गिरफ्तारी के वक्त निसार पूरी तरह सकपका गया। काफी समय तक उसने पहचान छिपाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस के पास उसके खिलाफ पुख्ता सबूत मौजूद थे।

पुलिस टीम को मिलेगा इनाम

कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

वहीं, फरार आरोपी को पकड़ने वाली टीम की सक्रियता से प्रभावित होकर डीसीपी दिनेश त्रिपाठी ने टीम को सम्मानित करने और पुरस्कार देने की घोषणा की है।

एसआईआर अभियान को गति दे रहे विधायक

बूथों पर पहुंचकर मतदाताओं को कर रहे जागरूक

अंतिम तिथि से पहले काम पूरा करने के निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर/कानपुर। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर जनप्रतिनिधि सक्रिय हो चुके हैं। इसी क्रम में सोमवार को क्षेत्रीय विधायक ने मंडल ककवन के ग्राम निबौरी और ग्राम पंचायत सिहुरादारा शिकोह के बूथ संख्या 101 और 102 पर पहुंचकर अभियान का निरीक्षण किया। विधायक ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें सत्यापित मतदाता बनने के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का फॉर्म भरना लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करता है। स्थानीय युवाओं, महिलाओं और

» सत्यापित मतदाता पर दे रहे जोर।

बुजुर्गों को प्रेरित करते हुए उन्होंने स्वयं उनके सामने एसआईआर फॉर्म भरवाए और बताया कि नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन की प्रक्रिया आसान है। बस समय पर जागरूक होना जरूरी है।

विधायक ने अपील की,आप सभी एसआईआर फॉर्म अवश्य भरें। आपका यह छोटा सा प्रयास भारत के लोकतंत्र को अधिक शक्तिशाली और पारदर्शी बनाएगा। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग दिखाया। अभियान टीम का कहना है कि विधायक के जागरूकता प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता सूची पुनरीक्षण की रफ्तार और बढ़ गई है। चुनाव आयोग ने भले ही एस आई आर की तिथि बढ़ा दी है लेकिन अफसरों ने बी एल ओ को साफ निर्देश दिए हैं कि आप लोग आखिरी तिथि का इंतजार कतई न करें। हर हाल में 4 दिसम्बर तक अपना लक्ष्य पूर्ण कर लें। इसके बावजूद कई बीएलओ अभी भी लापरवाही कर रहे हैं। जिसके कारण फॉर्म जमा करने वाले परेशान हैं।

खाद की संभावित अवैध ढुलाई पर किसानों ने जताई शंका, जांच की मांग

शंकाएं दूर करने के लिए प्रशासन से जांच की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अरौल, बिल्हौर/कानपुर। क्षेत्र में इन दिनों खाद की सीमित उपलब्धता को लेकर किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। इसी बीच रविवार की शाम एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पर बड़ी मात्रा में खाद लदे होने की सूचना से ग्रामीणों में चर्चा तेज हो गई। किसानों के अनुसार, ट्रॉली को बकोठी से चंपतपुर मार्ग होते हुए नानामऊ की दिशा में जाते देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि ट्रॉली संभवतः नानामऊ गंगा पुल की ओर बढ़ रही थी और उसके आगे उन्नाव जिले के बांगरमऊ क्षेत्र की तरफ जाने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

किसानों ने बताया कि जब क्षेत्र में किसान एक-एक बोरी खाद के लिए परेशान हैं, ऐसे में थोक में खाद से लदी ट्रॉली की आवाजाही ने शक पैदा किया है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि ट्रॉली पर पीछे लिखा स्थान नाम धुंधला दिखाई दे रहा था, जिससे संदेह और बढ़ गया। किसानों का कहना है कि यह घटना छुट्टी के दिन हुई, जिससे गांव में इस आवाजाही को लेकर कई तरह की चर्चाएँ शुरू हो गईं।

उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि इस मामले की तटस्थ जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि खाद की यह खेप नियमित आपूर्ति का हिस्सा थी या किसी अन्य कारण से ले जाई जा रही थी। प्रशासनिक स्तर पर इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन ग्रामीणों की मांग है कि जांच से स्थिति स्पष्ट होने पर किसानों की शंकाएं दूर होंगी।

मकनपुर शरीफ़ में 550वां उर्स संपन्न

बिल्हौर (कानपुर)। मकनपुर शरीफ़ स्थित दरगाह हज़रत ज़िंदा शाह मदार पर जानशीन-ए-ज़िंदा शाह मदार हज़रत सैयद मोहम्मद अरगून जाफ़री रज़ीअल्लाहु अन्हु का 550वां उर्स शुक्रवार रात अमन-ओ-सलामती की सामूहिक दुआ के साथ सम्पन्न हो गया।

उर्स का आगाज़ नमाज़ और कुरान-ख़्वानी से हुआ, जबकि समापन मग़रिब के बाद ख़त्मे-ख्वाजगान और चादरपोशी की रस्मों के साथ किया गया। वारिसाने हरसे-ख्वाजगान कमेटी ने व्यवस्थाओं में अहम भूमिका निभाई। मकनपुर की ऐतिहासिक दरगाह गंगा-जमुनी तहज़ीब का प्रतीक रही है। समापन दुआ में सज्जादानशीन सय्यद अनस अज़ीम जाफ़री मदारी समेत बड़ी संख्या में सादात और जायरीन मौजूद रहे।

सम्पादकीय

शारीरिक बदलाव देखकर छात्रों का उपचार

अक्सर देखा जाता है कि परीक्षाओं के दौरान छात्र तनावग्रस्त हो जाते हैं। एक भय हावी हो जाता है, जिससे वे परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाते। कुछ छात्र तो अक्सर खूब पढ़कर जाने के बावजूद परीक्षा के दौरान तनाव के चलते सब कुछ भूल जाते हैं। दरअसल, हमारा शैक्षिक परिवेश हाल के दिनों में बेहद प्रतिस्पर्धी हो चला है। मासूम बच्चों के सामने गला-काट स्पर्धा होती है।

विडंबना यह है कि दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के अवसर जनसंख्या के अनुपात में नहीं बढ़े हैं, जिससे स्पर्धा और कठिन हो गई है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश हो या फिर नौकरी के अवसर, वे प्रतियोगियों के मुकाबले बहुत कम होते हैं, जिसकी परिणति छात्रों में बढ़ते तनाव और कालांतर में उसके अवसाद में बदलने के रूप में होती है। यही वजह है कि स्कूल-कालेजों के परीक्षा परिणाम आने पर देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की सुर्खियां अखबारों में बनती हैं। सुखद है कि अब आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसे शारीरिक संकेतकों का पता लगाया है, जिससे पता चल सकेगा कि किन छात्रों में परीक्षा के दौरान चिंता बढ़ने का जोखिम अधिक है। इस खोज को शिक्षा प्रणाली में तनाव प्रबंधन व प्रदर्शन सुधारने हेतु बड़े बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हाल ही में यह शोध 'बिहेवियरल ब्रेन रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। इससे छात्रों के लिए व्यक्तिगत तनाव प्रबंधन योजना भी तैयार हो सकेगी।

यह वैज्ञानिक सत्य है कि किसी भी व्यक्ति में मस्तिष्क व हृदय के बीच संचार-तंत्र टूटने से तनाव पैदा होता है। ऐसे में आईआईटी मद्रास ने परीक्षा के तनाव को पहचानने के जो जैविक संकेत पहचाने हैं, वे आने वाले समय में परीक्षा तनाव प्रबंधन में मददगार साबित हो सकते हैं।

कोशिश है कि अब एआई की मदद से छात्रों के तनाव जोखिम की पहचान की जा सके। दरअसल, नये शोध की मुख्य बातें दो शारीरिक संकेतों को जोड़ने में निहित हैं। फ्रंटल अल्फा एसिमिट्री यानी एफएए, जो कि भावनात्मक नियमन का मस्तिष्क आधारित संकेतक है। दूसरा हार्ट रेट वैरिएबिलिटी, जो हृदय के अनुकूलन नियंत्रण को मापता है। ये संकेत चिंताग्रस्त छात्रों की पहचान करने में मदद करते हैं। शोधार्थियों ने पाया कि जिन छात्रों में एफएए पैटर्न नकारात्मक होता है, उनमें तनाव से हृदय के संतुलन तंत्र की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। दरअसल, परीक्षा को लेकर जो अधिक फिक्र है, वो हृदय की प्रतिक्रिया को भी बाधित करती है। परिणामस्वरूप वे अधिक तनाव में आ जाते हैं।

शोध में इन तथ्यों को भी समझने का प्रयास हुआ कि कुछ छात्र परीक्षा के तनाव के बावजूद बेहतर प्रदर्शन करने में कैसे सफल हो जाते हैं।

वहीं कुछ छात्र चिंताग्रस्त होकर परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं। दरअसल, साल भर नियमित पढ़ाई न करने और परीक्षा सामने आने पर वे घबराहट में तनावग्रस्त हो जाते हैं। एनसीआरटी का एक अध्ययन बताता है कि देश में 81 फीसदी छात्र परीक्षा को लेकर तनाव में रहते हैं। उम्मीद है नया शोध का निष्कर्ष समस्या का कारगर समाधान करेगा।

दो निर्णयों की वापसी और एक अवसर की चूक

ज्योति मल्होत्रा

पंजाब को केंद्र से जिस पीड़ाहारी स्पर्श की सख्त ज़रूरत है, वह मिल नहीं रहा। प्रधानमंत्री पंजाब में बाढ़ के बाद के मौजूदा हालात भलीभांति जानते हैं। बीते माह केंद्र को चंडीगढ़ से संबंधित दो अधिसूचनाएं वापस लेनी पड़ी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी की गुरुपर्व के दिन यात्रा अयोध्या और कुरुक्षेत्र में संपन्न हो गयी। पिछले एक महीने में केंद्र की भाजपा सरकार को दो बार अधिसूचना वापस लेनी पड़ी हु जिसमें एक में चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलावों का प्रस्ताव था हु और एक था वह विधेयक, जिसमें चंडीगढ़ प्रशासन में ही बदलावों का प्रस्ताव था, जिसको संसद के आगामी शीत सत्र में पेश करना था। हैरान कर देने वाली इन दो वापसियों से प्रधानमंत्री मोदी की गुरुपर्व के दिन यात्रा अयोध्या और कुरुक्षेत्र पर संपन्न हो गयी- बजाय इसके, सोचिए यदि उनका आखिरी पड़ाव आनंदपुर साहिब होता, जहां गत सप्ताह की शुरुआत में नौवें गुरु, तेग बहादुर की शहादत की 350वीं सालगिरह मनाने के लिए हज़ारों लोग इस ऐतिहासिक जगह पर एकत्र हुए थे।

उस सूरत में, द ट्रिब्यून की हेडलाइन सोचिए क्या होती ः 'अयोध्या से आनंदपुर साहिब, मोदी ने धर्मों को एक सूत्र में पिरोया'। प्रधानमंत्री की यात्रा 1675 में गुरु साहिब की शहादत का अनुपम संदेश दर्शाती और आह्वान करती, जब गुरु साहिब ने किसी के धर्म, यानी हिंदू धर्म को मानने के अधिकार की रक्षा की खातिर अपनी जान कुर्बान कर दी। इसकी बजाय, जैसा कि द ट्रिब्यून के 'ए सिंबॉलिक स्लिप' शीर्षक वाले संपादकीय में बताया गया, प्रधानमंत्री ने बगल के भाजपा शासित हरियाणा के कुरुक्षेत्र जाना चुना, केसरिया साफा पहन, बारंबार गुरु के बलिदान की तारीफ की। इसलिए, प्रधानमंत्री आनंदपुर साहिब क्यों नहीं गए, और जो कहना था वह इस पवित्र धरती से क्यों नहीं कहा?विडंबना यह कि मोदी पंजाब और पंजाबियों दोनों को अच्छी तरह जानते हैं। इमरजेंसी के सालों में, गुजरात में बतौर एक भूमिगत कार्यकर्ता, वे कभी-कभी पगड़ी पहनकर सिख का भेस बदलकर गिरफ्तारी से बचे। फिर, 1990 के दशक में, बतौर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पंचकूला में रहते हुए वे हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के प्रभारी थे, और पंजाब में भी घूमते थे।

साल 2019 में प्रधानमंत्री बनने के बाद, वे करतारपुर साहिब कॉरिडोर का उद्घाटन करने जाते समय,बीच में सुल्तानपुर लोधी में गुरुद्वारा बेर साहिब रुके, एकदम वज्रासन में बैठे और पहले गुरु , गुरु नानक देव को समर्पित इस गुरुद्वारे में प्रार्थना की। मोदी ने पाकिस्तान के प्रति अपनी नापसंदगी को एक तरफ रखते हुए - जबकि उसी साल फरवरी की शुरुआत में, भारतीय वायुसेना ने बालाकोट स्थित आतंकी अड्डों पर एयरस्ट्राइक की थी- और यह सुनिश्चित किया कि डेरा बाबा नानक को करतारपुर साहिब गुरुद्वारे से जोड़ने के लिए सड़क और सभी खास सुविधाएं चालू हो सकें, ताकि सिख श्रद्धालु गुरु नानक देव के जीवन के आखिरी 18 सालों से जुड़े इस गुरुद्वारे में प्रार्थना कर सकें। वर्ष 2022 में, मोदी ने उनसे मिलने आए एक सिख प्रतिनिधि मंडल से कहा, 'गुरुद्वारों में जाना, सेवा में समय बिताना, लंगर खाना, सिख परिवारों के घरों में रहना मेरी ज़िंदगी का हिस्सा रहा है' ।गत सप्ताह की शुरुआत में आनंदपुर साहिब में, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी द्वारा आयोजित समारोह के बरक्स अकाली दल-एवं शिरोमणि गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से भी गुरु की शहादत की याद में कार्यक्रम आयोजित किए गए। , जिसे सिर्फ़ भारतीय समझते हैं और जिसका आनंद लेते हैं। ऐसा लगता है, पंजाब के मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने के लिए मुलाकात का समय नहीं दिया गया।,

हम समझें इस दुर्लभ मानव जीवन का महत्व

अंतर्मन

ज्वाला सिंह दास

जीवन का मूल्य बाहरी उपलब्धियों, धन-दौलत व पद प्रतिष्ठा आदि में कभी नहीं रहा है, ये सेवा के लिए जीवन के सहज अवलम्बन हो सकते हैं, जीवन उद्देश्य नहीं। मनुष्य जीवन कितना बेशकीमती है, इसका सामान्यतः अहसास नहीं हो पाता, क्योंकि यदि अहसास होता तो यह बहुमूल्य उपहार यूं ही व्यर्थ नष्ट नहीं होता। दुर्व्यसन से लेकर नशा एवं आत्मघाती कृत्यों के साथ जीवन लीला को अपने हाथों से नष्ट करते समाचार नित्य सुर्खियों में होते हैं। इसके साथ भ्रष्टाचार से लेकर आतंक और आपराधिक गतिविधियों के समाचारों के साथ देवत्व एवं ईश्वरत्व की संभावनाओं से युक्त मनुष्य जीवन को पतन-पराभव के गर्त में गिरते देखा जा सकता है। बिना सार्थकता की अनुभूति के जीवन की ऐसी दुर्गति को एक त्रासद दुर्भाग्य ही माना जाएगा।

जबकि मनुष्य जीवन में सुख-शांति व सृजन के अभूतपूर्व रोमांच की अनंत संभावनाएं हैं। हर इंसान इनकी कल्पना भी करता है, नाना रूपों में पाने की चेष्टा करता है, लेकिन जीवन की सही समझ के अभाव में वह दिशा भटक जाता है और ये संभावनाएं अधूरी ही रह जाती हैं। जिस संतुष्टि, स्वतंत्रता व आनंद की कल्पना मनुष्य बाहरी सम्पदा, मोह-ममता और सत्ता सुख में करता है, वे भी अंततः मृगमारिचिका बनकर पहुंच से दूर हो जाती हैं और जीवन के अंतिम पलोंमें हाथ कुछ नहीं लगता। बिना किसी सार्थक निष्कर्ष के मानव जीवन के इस अवसान को एक दुर्घटना ही कहा जाएगा।भारतीय परंपरा में मनुष्य

जीवन को सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ उपहार कहा गया है और इसे दुर्लभ माना गया है। देवता भी मनुष्य शरीर को प्राप्त करने के लिए तरसते हैं, क्योंकि इसी में वे संभावनाएं मौजूद हैं, जो आत्मतत्व को जाग्रत करते हुए सकल मानवीय सीमाओं एवं दुख को तिरोहित कर सके और जीव से शिव, नर से नारायण की यात्रा सम्पन्न करते हुए अंततः परमात्मा के प्रतिरूप आत्म-स्वरूप को प्राप्त कर सके। भारतीय परंपरा में जीवन का मूल्य बाहरी उपलब्धियों, धन-दौलत व पद-प्रतिष्ठा आदि में कभी नहीं रहा है, ये सेवा के लिए जीवन के सहज अवलंबन हो सकते हैं, जीवन उद्देश्य नहीं। क्योंकि यदि इनके रहते भी व्यक्ति अशांत, असंतुष्ट, परेशान और जीवन के आनंद से वंचित है, तो यह घाटे का सौदा माना जाएगा। आश्चर्य नहीं कि बुद्ध भगवान से लेकर महावीर, नानक, कबीर और महर्षि रमण जैसे ऋषितुल्य शिखर पुरुष शांति, आनंद व धन्यता की खोज में किसी बाहरी सुख, सुविधा व सत्ता के मोहताज नहीं रहे, बल्कि इन सबका त्याग करते हुए जीवन के परमलाभ को प्राप्त हुए और आज भी प्रेरणा के प्रकाशपुंज बनकर जीवन जीने का कालजयी संदेश दे रहे हैं। इन सबका एक ही संदेश रहा कि जीवन की असली संपदा इंसान के अंदर कस्तुरी मृग की तरह छिपी पड़ी है। भ्रम की मृगमारिचिका के कारण वह इसे बाहर ढूंढ़ता फिर रहा है। वासना, तृष्णा और अहंकार के नागपाश में बंधकर वह जीवन की सुख-संतुष्टि की तलाश बाहर खोजने के लिए प्रेरित हो रहा है, लेकिन उसका हर प्रयास चूक जाता है और अंततः जब समय आता है तो काफी देर हो चुकी होती है। यदि समय रहते इसकी समझ और अंतर्दृष्टि विकसित की होती, तो हाथ में कुछ सार्थक लगता, जिसकी वह चिरकाल से प्रतीक्षा कर रहा था।

लकड़हारे की कहानी प्रख्यात है कि उसे राजा द्वारा उसके उपकार के लिए उपहार के रूप में एक चंदन का जंगल भेंट में मिलता है। राजा को आशा थी कि अब उसकी गरीबी दूर हो जाएगी और वह एक खुशहाल जीवन जीएगा। लकड़हारा इस वन से पेड़ काटकर, इसका कोयला बनाता और पास के शहर में जाकर बेच आता था। यह सिलसिला कई माह और वर्षों तक चलता रहा, और वह अपनी झोपड़ी में इससे मिलने वाली धनराशि से गुजर-बसर करता रहा।

विशेष शिविर से बढ़ी एसआईआर की रफ्तार

बीएलओ ने ली राहत की सांस एक हफ्ता ओर मिला समय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले में चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) ने अब जोर पकड़ लिया है। रविवार को भी परिषदीय स्कूल खुलवाकर विशेष शिविर आयोजित किया। इस वजह से फॉर्म फीड होने का आंकड़ा तेजी से बढ़ गया हालांकि, आयोग की ओर से गणना प्रपत्र जमा करने की तिथि बढ़ाकर 11 दिसंबर तक कर दी गई है। ऐसे में गणना प्रपत्र वितरण व जमा करने का डोर-टू-डोर काम कर रहे। बीएलओ ने राहत की सांस ली है। पर्याप्त समय और मिल जाने से एसआईआर का काम बेहतर तरीके से हो सकेगा।

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जनपद में चार दिसंबर से एसआईआर का काम शुरू किया गया। इसकी अंतिम तिथि चार दिसंबर निर्धारित की गई थी। इस दौरान जनपद में लगाए गए बूथ लेबल ऑफिसर ने घर-घर पहुंच कर मतदाता सूची के हिसाब से गणना प्रपत्रों का वितरण किया। साथ ही लोगों को समय से प्रपत्र भरकर जमा किए जाने के ने निर्देश दिए ताकि, प्रपत्रों की ऑनलाइन फीडिंग की जा सके। रविवार को अवकाश का दिन होने के चलते परिषदीय विद्यालय और सभी बूथ खुले रहे। ग्राम पंचायत अधिकारी, लेखपाल, कोटेदार,पंचायत सहायक बूथों पर लगे रहे।

डोर टू डोर एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ ने बताया कि वर्ष 2003 की सूची में नाम ढूंढने व विवाह होकर आई महिलाओं व मायके में माता-पिता की मृत्यु होने के बाद उनके पहचान पत्र के ईपिक नंबर मिलने में कठिनाई हो रही है। कई नाम एक ही ग्रामसभा में कई भाग संख्याओं में है, जिससे डबल नाम होने की भी समस्या आ रही है। रविवार को भोगनीपुर क्षेत्र के छतेनी, डीघ, अनन्तापुर, डोभा, सूर्यपुर आदि में कार्य किया।

तहसीलदार प्रिया सिंह ने बूथों का निरीक्षण किया। बूथ संख्या 70 सूर्यपुर में बीएलओ रीता ने बताया कि उनके बूथ पर कुल 333 मतदाता है जिनमें 314 फीड हो चुके है,11 (मृतक और बाहर) चले गए 8 फॉर्म बाकी है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

भाजपा के बूथ अध्यक्ष और बीएलए टू रहे सक्रिय

भाजपा के बरौर मंडल उपाध्यक्ष और छतेनी (एसआईआर)सेक्टर प्रभारी अंकित शुक्ल ने बताया कि जिलाध्यक्ष रेणुका सचान के निर्देश पर सभी बूथों पर भाजपा के बीएलए टू को सक्रिय किया गया है

जिससे भाजपा के मतदाताओं का वोट कटे न और जल्द से जल्द फॉर्म जमा होकर नाम फीड किया जा सके। रविवार को अधिक संख्या में बूथ अध्यक्ष और बी एल ए टू सक्रिय रहे जिससे हर बूथ पर फीडिंग संख्या तेजी से बढ़ गई।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक ने मनाया 'संकल्प दिवस'

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में आए सैकड़ों कार्यकर्ता और समर्थक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी ने अपना स्थापना दिवस इस वर्ष संकल्प दिवस के रूप में मनाते हुए जनसेवा और संगठनात्मक एकता का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीराजपूत करणी सेना जिला कार्यालय, बरौन (कायमगंज रोड) पर किया गया, जहां दोपहर 1 बजे से निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का शुभारंभ हुआ। जिलेभर से सैकड़ों कार्यकर्ता, करणी सैनिक और समर्थक बड़ी संख्या में पहुंचे।

कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में संकल्प दोहराया कि वे हम राजनीति नहीं, सेवानीति करते हैं के मूल मंत्र पर चलते हुए समाज के हर वर्ग की सेवा का ध्येय आगे बढ़ाएंगे।

इसी दौरान यह भी कहा गया कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भैया पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरेंगे, और फर्रुखाबाद जनपद से पार्टी को कम से कम एक विधायक जिताने का लक्ष्य रखा गया है। उपस्थित समर्थकों ने भी राजा भैया के नेतृत्व को पूरा समर्थन देने का संकल्प व्यक्त किया।जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के सक्रिय कार्यकर्ता एवं श्री

राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष सुशील सिंह चौहान ने बताया कि संकल्प दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं,

बल्कि सेवा, जनभागीदारी और संगठन विस्तार की नई शुरुआत है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित कार्यकर्ताओं में अरविंद चौहान, रामेंद्र सिंह, मुकेश चौहान, राजेंद्र मिश्रा, अनिल चौहान, अवनीश तोमर, संजीव कुमार सिंह राठौर 'नीलू', सुशील शाक्य, असीब खान, राम प्रताप सिंह 'भानू', अजयवीर सिंह, अबनीत राठौर, धीरेंद्र प्रताप सिंह, सुरजीत चौहान, कुलदीप चौहान, वेद प्रकाश, धर्मेंद्र, रोहित, प्रेमपाल सिंह सोमवंशी, अरविंद चौहान सहित भारी संख्या में अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

कार्यक्रम में गरीबों और किसानों के हित में काम करने वाले पं. संदीप शर्मा उर्फ बाबा हनुमान दास जी (शिव शक्ति अखाड़ा कार्यकर्ता, सम्पूर्ण भारत) की भूमिका भी विशेष रूप से सक्रिय रही, जिसे सभी ने सराहा। अंत में जिलाध्यक्ष सुशील सिंह चौहान ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और संगठन की आने वाली योजनाओं पर प्रकाश डाला।

अश्लील हरकतों का विरोध करने पर महिला को पीटा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला जवाहर नगर पश्चिमी से एक महिला ने मेडिकल स्टोर संचालक पर घर में घुसकर अश्लील हरकतें करने और बुरी तरह मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता बेबी पत्नी बबलू द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार घटना 27 नवंबर की रात करीब 9 बजे की है, जब वह घर में अकेली थी और उसका पति बाहर गया हुआ था।

आरोप है कि पड़ोस के एक मेडिकल स्टोर संचालक अंकित सचान अचानक पीड़िता के घर में घुस आया और अश्लील हरकतें करने लगा। विरोध करने पर वह महिला को बाहर खींचकर ले गया और लात-घूंसों व डंडों से बेरहमी से पीटा। शोर सुनकर मोहल्ले के लोगों के आने पर आरोपी धमकी देते हुए भाग गया। पीड़िता का कहना है कि मारपीट से उसे अंदरूनी चोटें आई हैं। पुलिस प्रकरण की जांच कर रही है।

वशीकरण के नाम पर युवक की हत्या आरोपी तांत्रिक को किया गिरफ्तार

चाकू, मोटरसाइकिल, मृतक का मोबाइल, एक लाख रुपये और तांत्रिक सामग्री बरामद

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। शिवली पुलिस ने युवक राजाबाबू की हत्या का सनसनीखेज खुलासा करते हुए आरोपी नीलू उर्फ छोटे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू, वारदात के समय इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, मृतक राजाबाबू का लूटा हुआ मोबाइल फोन, लूटे गए एक लाख रुपये नकद, तांत्रिक क्रिया में प्रयुक्त नीबू-कलावा तथा आरोपी द्वारा प्रयोग किया गया मोबाइल फोन बरामद किया है। उत्कृष्ट कार्य के लिए एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने खुलासा करने वाली टीम को 11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया।

27 नवंबर को वादी संतराम द्वारा दी गई तहरीर पर मामला दर्ज हुआ था। जांच में पता चला कि मृतक राजाबाबू गांव की एक युवती से प्रेम करता था और विवाह टूटने के बाद वशीकरण कराने के चक्कर में आरोपी नीलू के संपर्क में आया। आरोपी ने पहले करीब 36 हजार रुपये लेकर खुद को तांत्रिक बताकर भरोसा जीत लिया और बाद में छह लाख रुपये तक की मांग कर लालच में आ गया। राजाबाबू केवल डेढ़ लाख रुपये जुटा पाया, जिसके बाद आरोपी ने हत्या का प्लान बनाया।

शराब पिलाकर अचेत किया, चाकू से हमला कर दी हत्या

24 नवंबर की शाम आरोपी नीलू ने राजाबाबू को सैयद बाबा मजरा के पास ऊसर खेत में तांत्रिक विधि के बहाने बुलाया। दोनों ने शराब पी। आरोपी ने अतिरिक्त शराब पिलाकर राजाबाबू को अचेत कर दिया। मौका पाते ही उसने पहले से साथ लाए चाकू से उसकी छाती पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए मृतक की छाती पर लड़की की फोटो और लिखावट वाला कागज रख दिया ताकि पुलिस गुमराह हो जाए। वारदात के बाद आरोपी मृतक का मोबाइल फोन, रुपये और कागजात लूटकर वहां से भाग गया। रास्ते में बैग को जलाकर नष्ट कर दिया और पूजा सामग्री तथा मोबाइल को पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया, ताकि कोई सुबूत न बचे।

हरदियानाला रोड के पास मुखबिर की सूचना पर आरोपी नीलू को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतक का मोबाइल, लूटे गए रुपये और तांत्रिक सामग्री बरामद की गई। आरोपी का आपराधिक इतिहास भी प्रकाश में आया है। कानपुर देहात पुलिस अधीक्षक ने मामले के सफल खुलासे पर थाना शिवली पुलिस टीम को एसपी कानपुर देहात ने 11 हजार रुपये का इनाम देकर सम्मानित किया।

अवैध खनन की मिट्टी ले जा रहे दो ट्रैक्टर ट्रॉली पुलिस ने की जब्त

सूचना खनन विभाग ओर राजस्व विभाग को दी गई

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली पुलिस ने बिल्हापुर गांव के पास अवैध मिट्टी खनन कर ले जा रहे दो ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ लिया है। यह कार्यवाही अवैध मिट्टी खनन को रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है।

कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि बिल्हापुर के निकट बिना नंबर के दो ट्रैक्टरों को रोका गया।इनमें अवैध रूप से खनन की गई मिट्टी भरी हुई थी। पुलिस ने चालकों से ट्रैक्टरों और मिट्टी से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे।परन्तु चालक कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।जिसके बाद दोनों ट्रैक्टरों को जब्त कर भोगनीपुर कोतवाली में खड़ा कर दिया गया है। सूचना खनन विभाग ओर राजस्व विभाग के उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। आगे की कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भी भेज दिया है।

पटाखे की चिंगारी से यशोदा नगर में कतरन गोदाम में लगी आग

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र के यशोदा नगर बजरंग चौराहा स्थित लड्डन खान के प्लॉट पर बने कपड़े की कतरन के गोदाम में रविवार दोपहर अचानक आग लग गई। कतरन को वह रुई बनाने वालों को बेचते हैं। गोदाम संचालक के अनुसार, उन्हें पड़ोसियों से आग लगने की सूचना मिली। बताया गया कि किसी पटाखे की चिंगारी गोदाम तक पहुंचने से आग भड़क उठी।

स्थानीय निवासी गौरव शुक्ला ने बताया कि क्षेत्र में निकली एक बारात से उडक़र आया पटाखा प्लॉट में आ गिरा, जिसके बाद कतरन में आग तेजी से फैल गई। आग की ऊँची लपटों को देख लोग घबरा गए और तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी।सूचना पर पहुँची दमकल की एक गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि कतरन का बड़ा हिस्सा जलकर राख हो गया। फिलहाल नुकसान का आंकलन नहीं हो सका है।

दमकल ने आग पर पाया काबू, बारात में हो रही थी आतिशबाजी

रिंग रोड के किनारे युवक का शव लटका मिला, हत्या की आशंका

मौके पर रैकेपुर चौकी पुलिस मौजूद, परिजनों ने जांच की मांग की

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सचेंडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रैकेपुर चौकी के बघवट गांव स्थित रिंग रोड के पास एक युवक का शव फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गौरव तिवारी पुत्र रामदत्त तिवारी, निवासी तिवारीपुर, थाना बिठूर (कानपुर) के रूप में हुई है।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया।

रैकेपुर चौकी की फोर्स मौके पर मौजूद है। युवक की मौत को लेकर परिजनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि गौरव की हत्या कर उसे फांसी पर लटकाया गया है। परिजनों ने मामले की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और मामले की जांच जारी है।

मरणासन्न किशोरी को उर्सला में छोड़ भागे परिजन बोले दुष्कर्म को दबाने की कोशिश

पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप खारिज किए, परिजन बोले सच दबाया गया

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय किशोरी को रविवार दोपहर मरणासन्न हालत में उर्सला अस्पताल में भर्ती कराकर लाने वाले लोग उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। किशोरी की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है और उसे वेंटीलेटर पर रखा गया है। उर्सला के डॉक्टरों के अनुसार बच्ची को केवल फांसी का केस बताकर एंबुलेंस से कुछ लोग अस्पताल में छोड़कर गए। किशोरी करीब डेढ़ महीने पहले फांसी लगाने से गंभीर हुई थी।

परिजनों का आरोप है कि दूसरे समुदाय के एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया था और पुलिस कार्रवाई न होने से पीड़िता ने आत्महत्या का प्रयास किया। उनका कहना है कि आरोपित पक्ष इलाज कराने का झांसा देकर पूरे मामले को दबाने की कोशिश करता रहा। किशोरी का करीब दो महीने तक निजी अस्पताल में इलाज चला, लेकिन रविवार को बिना बताए उसे उर्सला भेज दिया गया। परिजनों को इसकी भनक तक नहीं लगने दी गई। उर्सला के डॉ. सपन गुप्ता ने बताया कि बच्ची मल्टी ऑर्गन फेल्योर की आशंका के साथ बेहद गंभीर स्थिति में लाई गई थी। दूसरी ओर, रूरा पुलिस पूरी तरह अलग कहानी बता रही है। सीओ अकबरपुर संजय वर्मा के अनुसार किशोरी ने 10 अक्टूबर को फांसी लगाई थी, लेकिन परिजनों ने रूरा सीएचसी में मिर्गी का दौरा बताकर इलाज कराया। बाद में वह उसे निजी अस्पताल ले गए। 16 अक्टूबर को परिजनों ने दूसरे समुदाय के युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी, लेकिन जांच में कोई साक्ष्य नहीं मिला। पुलिस का दावा है कि आरोपी युवक उस दिन पूरे समय अन्य जगह मौजूद था। सीओ का यह भी कहना है कि परिजनों ने पहले भी एक वकील के माध्यम से आरोपित पक्ष से कुछ धनराशि ली थी और 24 नवंबर को लगभग 3 लाख रुपये दोबारा लिए। पुलिस का आरोप है कि परिजनों के मोबाइल तोड़ने पर नाराज होकर किशोरी ने फांसी लगाने की बात बताई थी।फिलहाल, गंभीर हालत में वेंटीलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही किशोरी को लेकर कई सवाल खड़े हैं क्या दुष्कर्म का आरोप दबाया गया या पुलिस की जांच सही है? निजी अस्पताल से चुपके से उर्सला भेजने के पीछे क्या मंशा थी? मामले में सच्चाई क्या है, इसकी मांग अब जोर पकड़ने लगी है।

कलह से ऊब कर युवक ने फांसी लगा दी जान

» एक माह पहले ही किया था प्रेम विवाह, भोगनीपुर में किराये के मकान में रह रहा था

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के कालपी रोड भोगनीपुर में नव विवाहिता पति-पत्नी की आपस में कहा सुनी हो गई तंग आकर पति ने साड़ी के फंदे से लगाकर आत्महत्या कर लिया। पारुल पुत्री राजू केवट ने बताया कि उसका भाई धीरज ने डेढ़ माह पूर्व पढ़ाव थाना मूसानगर निवासी झल्लू की पुत्री कमला देवी के साथ कोर्ट मैरिज की थी और दोनों डेढ़ महीने से ही भोगनीपुर में कालपी रोड में एक किराए के कमरे पर रहते थे।

धीरज मूल रूप से हवासपुर का निवासी था पिता की मृत्यु के बाद उसका भाई तथा बहन आलमपुर औरैया में किराए पर रहने लगे। धीरज की परिचय पड़ाव निवासी कमला देवी से हो गया और दोनों ने डेढ़ महीने पूर्व कोर्ट मैरिज कर ली। धीरज व कमला दोनों भोगनीपुर में किराए के कमरे में रहते थे रविवार को दोनों में कहा सुनी हो गई। पत्नी कमला खाने बनाने चली गई तभी धीरज ने कमरे के अंदर साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली । पत्नी ने देखा तब शोर मचाया परिजन उसकी सरकारी अस्पताल पुखरायां ले गए जहां डॉक्टर राजवीर सिंह ने मृत्यु घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बारात गए शिक्षक के बंद घर में हुई चोरी

» मौके पर पहुंची पुलिस ने शुरू की जांच पड़ताल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कस्बे में बेखौफ चोरों ने शिक्षक के सूने घर में चोरी की वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए।

सुबह जब शिक्षक अपने घर आया और बिखरा हुआ सामान व खुला गेट देखा तो उसके पैरों तले मानो जमीन खिसक गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की।

रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत विकास नगर कानपुर मार्ग पर रहने वाले शिक्षक रामकुमार ने बताया कि रविवार की रात वह परिवार के साथ एक शादी

समारोह में शामिल होने के लिए घर में ताला लगाकर परिवार के साथ टिकरा गया था। वही बीती रात्रि को अज्ञात चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और खुली पड़ी अलमारी से एक सोने की चेन, दो सोने की अंगूठी, एक सेट कान के टॉप्स,एक पायल सहित नगदी 12 हजार पार कर लिए जबकि बच्चों की रखी दो गोलक व दो घडियां भी चोर ले उड़े। शादी समारोह से शामिल होने के बाद सोमवार की सुबह वह पत्नी रंजना कमल व बच्चों के साथ वापस जब घर लौटा तो गेट

खुला देखा और घर में प्रवेश करते ही अलमारी भी खुली पाई तो सारा सामान गायब था। पीड़ित ने रसूलाबाद थाने पहुंचकर चोरी की घटना की पुलिस से शिकायत की।

कोतवाल सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मौके पर उपनिरीक्षक प्रमोद दीक्षित को भेजा गया है। जांच पड़ताल की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

काशी के सनातन वैदिक गौरव उत्सव में 19 वर्षीय देवव्रत रेखे का भव्य सम्मान

देवव्रत ने दण्डक्रम वेद पारायण के अंतर्गत 25 लाख से अधिक वैदिक पदों का लगातार 50 दिनों तक बिना ग्रंथ देखे त्रुटिरहित पाठ किया है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। काशी में बुधवार को सनातन वैदिक परंपरा का ऐतिहासिक और प्रेरणादायक क्षण देखने को मिला। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर निवासी 19 वर्षीय वैदिक छात्र देवव्रत महेश रेखे का भव्य सम्मान समारोह अत्यंत गरिमा एवं वैदिक वैभव के साथ सम्पन्न हुआ।

देवव्रत ने दण्डक्रम वेद पारायण के अंतर्गत 25 लाख से अधिक वैदिक पदों का लगातार 50 दिनों तक बिना ग्रंथ देखे त्रुटिरहित पाठ पूरा कर सनातन धर्म को वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित किया है

कार्यक्रम में पूज्य डॉ. दिव्यचेतन ब्रह्मचारी गुरुजी ने उन्हें चाँदी की हनुमान चालीसा, भगवान श्रीराम का विग्रह व माँ भगवती के चंदन-इत्र प्रसाद प्रदान कर आशीर्वाद दिया। श्रृंगेरी शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य जी की ओर से भी स्वर्ण कड़ा व एक लाख रुपये की आशीर्वाद राशि भेजी गई, जो इस युवा साधक की तपस्या और वेदनिष्ठा का प्रमाण मानी जा रही है।

आयोजन में देवव्रत को रजत गदा, रजत मुकुट और स्वर्ण कड़ा से भी अलंकृत किया गया। समारोह के दौरान उपस्थित विद्वानों ने उनके पुरुषार्थ को भावपूर्ण शब्दों में सराहा।

विशेष सम्मान वल्लभराम शालिग्राम साङ्गवेद विद्यालय में प्रदान किया गया, जहाँ विद्वानों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देवव्रत का अभिनंदन किया गया।

लखनऊ में डॉ. शाहीन के घर पर एनआईए की छापेमारी, देश भर में आठ जगहों पर मारा छापा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। दिल्ली धमाकों की जांच के लिए एनआईए की टीमों ने लखनऊ सहित कई स्थानों पर छापेमारी की। एनआईए की टीम लखनऊ स्थित डॉ. शाहीन शाहिद के पिता के घर पहुंची और छापेमारी की।

दिल्ली धमाकों से जुड़े संदिग्धों की जांच के लिए सोमवार को एनआईए की टीमों ने कश्मीर से लेकर लखनऊ तक आठ जगहों पर छापेमारी की। लखनऊ में एनआईए की टीम लखनऊ के खंदारी बाजार स्थित डॉ. शाहीन शाहिद के पिता के आवास पर जांच करने पहुंची। मौके पर स्थानीय पुलिस मौजूद रही।

इस दौरान इलाके में काफी हलचल रही। बता दें कि दिल्ली धमाकों के संदर्भ में जांच टीम ने लखनऊ में डॉ. शाहीन के परिजनों से पूछताछ की थी।

यूपी में एनआईए ने नवंबर के पहले सप्ताह में सहारनपुर से गिरफ्तार किए गए डॉ. अदील अहमद राथर के आवास की भी तलाशी ली। इन छापों का उद्देश्य %व्हाइट-कॉलर आतंकी मॉड्यूल के नेटवर्क का पर्दाफाश करना और इसके संचालन के तरीके को समझना है।

व्हाइट-कॉलर आतंकी मॉड्यूल का तात्पर्य ऐसे आतंकी समूहों से है जो पारंपरिक तरीकों के बजाय वित्तीय धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य सफेदपोश अपराधों के माध्यम से धन जुटाते हैं और अपने एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं। इस प्रकार के मॉड्यूल का पता लगाना और उन्हें निष्क्रिय करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती होती है।

अयोध्या कैंट: सफाईकर्मियों की भर्ती में ठेकेदार का कैश-कमीशन मॉडल उजागर

सफाई कर्मियों से वसूली का खेल बेनकाब

» वसूली का खुला खेल, दस हजार वसूल कर दी गई नौकरी

» कलेक्शन एजेंट बिहार निवासी युवक को लिया गया हिरासत में

»स्वराज इंडिया न्यू ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या कैंट क्षेत्र, जहां सफाई व्यवस्था को आदर्श बनाने का दावा होता है, वहीं अंदरखाने एक ऐसा 'गंदा सच' सामने आया है जिसने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कैंटोनमेंट बोर्ड में नियुक्त सफाई कर्मियों ने ठेकेदार पर ज्वाइनिंग के नाम पर अवैध वसूली करने का गंभीर आरोप लगाया है। मामला खुलने के बाद न सिर्फ प्रशासन हिल गया, बल्कि सफाई कर्मियों का गुस्सा सडक़ों पर फूट पड़ा।

सूत्रों के मुताबिक, कैंटोनमेंट बोर्ड के लिए करीब 180 सफाई कर्मियों की भर्ती की गई थी। इनमें से 15 सफाई कर्मियों से कथित तौर पर 10–10 हजार रुपये वसूले गए। आरोप यह कि ठेकेदार की टीम ने इसे 'ज्वाइनिंग प्रोसेस' का हिस्सा बताकर वसूली को वैध ठहराने की कोशिश की, लेकिन जब शिकायतें बढ़ीं, तो कर्मियों ने चुप रहने से इनकार कर दिया।इस मामले को लेकर राजकीय इंटर कॉलेज के पीछे मंडलीय मनोविज्ञान केंद्र कार्यालय के सामने भारी संख्या में सफाई कर्मचारी जमा हो गए। नारेबाजी, आरोप और सबूत सब कुछ एक ही जगह पर था। भीड़ का इशारा साफ था- वसूली का खेल अब छुपने वाला नहीं। विवाद बढ़ता देख नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। हडक़ंप तब मचा जब कर्मियों ने एक युवक को पकडक़र पुलिस के हवाले कर दिया। आरोप है कि यह युवक बिहार निवासी रत्नेश ठेकेदार के लिए अवैध वसूली कर रहा था। जांच के दौरान उसके पास से 10,000 रुपये बरामद होने की बात सामने आई है। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

कौन है वसूली के पीछे?

सफाई कर्मियों के आरोपों की गंभीरता को समझते हुए पुलिस प्रशासन ने कैंटोनमेंट बोर्ड से संबंधित दस्तावेज और तर्क मांगे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यही है क्या यह वसूली किसी एक व्यक्ति की करतूत है या इसमें सिस्टम का कोई बड़ा हिस्सा शामिल है? कई सफाई कर्मियों ने बताया कि नौकरी की जरूरत थी, इसलिए मजबूरी में पैसे देने पड़े। किसी ने कर्ज लिया, किसी ने गहने गिरवी रखे ताकि नौकरी बची रहे। परंतु जब मामला खुला, तो कर्मचारी खुद मैदान में उतर आए।अयोध्या कैंट आज देशभर में विकास और स्वच्छता का चमकता चेहरा बनने की कोशिश करता है। परंतु अंदर की ये सच्चाई बताती है कि शहर की सफाई से पहले सिस्टम की सफाई जरूरी है। कैंटोनमेंट बोर्ड अब तक मामले पर चुप है, जबकि पुलिस जांच की बात कह रही है।

मेरे खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। मुझे फंसाया गया है, जांच होगी तो सच सामने आ जाएगा।
रत्नेश कुमार, आरोपी

गरीब परिवारों से नौकरी के नाम पर पैसा लेना शर्मनाक है।
अगर वसूली हुई है तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।
राहुल यादव
स्थानीय निवासी

हमसे साफ कहा गया कि बिना पैसे ज्वाइनिंग नहीं होगी। कई लोगों ने मजबूरी में रुपये दिए।
- राजेंद्र कुमार, सफाई कर्मी

अयोध्या पुलिस में कई अफसरों को किया गया इधर-उधर

» तीन सीओ पांच एसएचओ का हुआ तबादला, अयोध्या कोतवाल मनोज शर्मा भी हटाये गए

»स्वराज इंडिया न्यू ब्यूरो

अयोध्या। अधिवक्ता आलोक कुमार सिंह पर हुए प्राणघातक हमले के मामले में अयोध्या बार एसोसिएशन ने तत्कालीन कोतवाल मनोज शर्मा के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया था। बार एसोसिएशन ने आरोप लगाते हुए कोतवाल मनोज शर्मा के तत्काल तबादले की मांग की थी। लगातार बढ़ते दबाव और विरोध के बाद एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मनोज शर्मा को अयोध्या कोतवाली से हटाकर प्रभारी थाना पूराकलंदर नियुक्त कर दिया है। इसी के साथ अयोध्या पुलिस विभाग में रविवार को व्यापक स्तर पर फेरबदल किया गया। तीन क्षेत्राधिकारियों सहित पांच थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं।क्षेत्राधिकारी स्तर पर भी बड़ा बदलाव किया गया है। शैलेंद्र सिंह को सीओ सिटी पद से रिलिव कर दिया गया है। उनकी जगह श्रीयस त्रिपाठी को नया सीओ सिटी बनाया

एसएसपी अयोध्या

गया है। अजय कुमार सिंह बने सीओ मिल्कीपुर विकास राय को सीओ लाइंस एवं क्राइम की जिम्मेदारी दी गई है। अरविंद सोनकर बने सीओ सदर योगेंद्र कुमार को सीओ आरजेबी परिसर की कमान सौंपी गई है। इसी क्रम में थाना स्तर पर भी बड़ा फेरबदल किया गया है। मनोज शर्मा को अयोध्या कोतवाली से हटाकर प्रभारी थाना पूराकलंदर भेजा गया। उनकी जगह पंकज सिंह बने नए अयोध्या कोतवाल। संदीप कुमार सिंह बने एसओ कैंट, लालचंद सरोज को एसओ रौनाही की जिम्मेदारी मिली। जबकि अमरेंद्र बहादुर सिंह को कोतवाल बीकापुर बनाया गया है।

अयोध्या में सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह को भावभीनी विदाई

» एनकाउंटर स्पेशलिस्ट और कर्तव्यनिष्ठ डिप्टी एसपी शैलेंद्र सिंह का स्थानान्तरण आगरा कमिश्नरेट होने पर दी विदाई

»स्वराज इंडिया न्यू ब्यूरो

अयोध्या। जनपद की पवित्र धरती पर लम्बे समय तक सीओ सिटी पद पर तैनात रहे तेजतर्रार, एनकाउंटर स्पेशलिस्ट और कर्तव्यनिष्ठ डिप्टी एसपी शैलेंद्र सिंह का स्थानान्तरण आगरा कमिश्नरेट होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया।समारोह में एसएसपी डॉ. गौरव ग्रेवर ने उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। एसएसपी ने उनकी तैनाती अवधि के दौरान किए गए बेहतरीन कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शैलेंद्र सिंह ने हर चुनौतीपूर्ण स्थिति में न्यायप्रियता और सेवा भावना का परिचय दिया।उन्होंने उम्मीद जताई कि शैलेंद्र सिंह आगरा में भी इसी निष्ठा और पेशेवर क्षमता के साथ उत्कृष्ट कार्य करेंगे। समापन पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावपूर्ण विदाई देते हुए कहा— मुसाफिर हैं हम भी, मुसाफिर हो तुम भी, किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी।

अयोध्या में दबंग खनन माफिया पर शुरू हुई बड़ी कार्रवाई

भाजपा नेता राकेश जायसवाल समेत कई पर गंभीर धाराओं में एफआईआर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अवैध खनन के गढ़ माने जाने वाले सोहावल क्षेत्र में प्रशासन और माफियाओं के बीच लंबे समय से चल रही खींचतान आखिरकार टकराव में बदल गई। खनन विभाग की टीम पर हुए हमले के मामले में खनन अधिकारी अनन्त सिंह की तहरीर पर कथित खनन माफिया और भाजपा नेता राकेश जायसवाल, सरोज जायसवाल समेत 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

थाना कैंट क्षेत्र में खनन अधिकारी अनन्त सिंह और खान निरीक्षक चंद्रशेखर पाठक पर हमला किया गया था।

घटना के दौरान न केवल मारपीट की गई, बल्कि अधिकारियों के साथ गाली-गलौज और अभद्रता भी की गई।घटनास्थल पर मौजूद टीम को बताया जाता है कि आरोपियों ने घेरकर धमकाने की भी कोशिश की। काफी खींचतान और दबाव के बाद देर रात अनन्त सिंह की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई। सूत्रों का दावा है कि मुकदमा दर्ज कराने में भी अधिकारियों को भारी संघर्ष करना पड़ा। क्षेत्र में लंबे समय से यह चर्चा है कि सोहावल अवैध खनन का अड्डा बना हुआ है और आरोपियों को सत्ता पक्ष के कुछ प्रभावशाली नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध खनन का नेटवर्क इतना मजबूत है कि उसकी कमाई में कई बड़े सफेदपोश चेहरों की भी हिस्सेदारी बताई जाती है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस अब पहचान और गिरफ्तारी की प्रक्रिया में जुटी है।

आरोपी ने खनन अधिकारी पर लगाए आरोप

अयोध्या। खनन अधिकारी हमले के प्रकरण के बीच राकेश जायसवाल ने पत्रकारों से बत करा कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि फतेहपुर सरैय्या में संतोष कुमार जायसवाल के नाम से पाँच वर्ष से संचालित उनका बालू घाट वैध रूप से चल रहा है। वहीं मांझा रामपुर हलवारा, अयोध्या में 11 बीघे निजी भूमि पर अमरिंदर शाही के नाम का घाट कुछ लोग संचालित करते हैं, जहां से सैकड़ों गाडियां बिना रॉयल्टी निकलती हैं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती। आरओ अनंत देव कुमार सिंह और खनन इंस्पेक्टर चंद्रशेखर पाठक की मिलीभगत से प्रदेश सरकार को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है तथा नियमों की लगातार अनदेखी की जा रही है। राकेश जायसवाल का दावा है कि इसी दुर्भावना के तहत उनके खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया। उन्होंने शासन-प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच की अपील की है।

थाने से चंद कदम दूर चल रही 'गांजा मंडी'

पचगवां में मां-बेटे चला रहे नशे का बेखौफ धंधा, पत्रकारों को भी देते धमकी

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। हैदरगंज थाना क्षेत्र के पचगवां गांव में कानून और पुलिस की नाक के ठीक नीचे अवैध नशे का कारोबार खूब फल-फूल रहा है। यहां मां पूनम सिंह और बेटा हरिओम सिंह खुलेआम गांजे की बिक्री कर रहे हैं और सबसे चौंकाने वाली बात यह कि उनकी बेखौफी का स्तर इतना ज्यादा है कि दबंगई कैमरे में साफ कैद हुई है। स्थानीय पत्रकारों को जब इस अवैध कारोबार की सूचना मिली तो उन्होंने खरीददार बनकर मौके पर पहुंचकर पूरा खेल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है किस तरह मां-बेटा गांजे की क्वालिटी बताते हैं किस रेट पर सौदा होता है और कैसे यह धंधा बिना किसी डर के चल रहा है।

वीडियो सामने आते ही पूरा प्रशासनिक ढांचा सवालों के घेरे में आ गया है। वायरल ऑडियो-वीडियो की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है।

जैसे ही हरिओम सिंह को पत्रकारों की जानकारी हुई, उसने डरने के बजाय सीधी धमकी दी। उसका कहना था कि थाने पर पैसा देते हैं, पत्रकारों से डरना क्या। जो करना है कर लो! सबसे बड़ा सवाल यही है थाने से कुछ ही दूरी पर चल रहा यह खुला नशा कारोबारज् आखिर पुलिस को कैसे नहीं दिखा?क्या वाकई पुलिस को जानकारी नहीं?

थानाध्यक्ष की ईमानदार छवि पर सवाल

थानाध्यक्ष विवेक राय एक सुलझे, ईमानदार और सख्त अधिकारी माने जाते हैं। फिर सवाल उठता है उनकी नजर से यह धंधा कैसे बचा रहा? क्या उनकी टीम ने

जानबूझकर आंखें मूंद रखी थीं? या फिर उन्हें गलत जानकारी दी गई?किसी भी स्थिति में, सच्चाई बेहद असहज सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कारोबार कोई नया नहीं है।

मांङ्गबेटे का यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय है। लेकिन पुलिसिया कार्रवाई का नाम तक नहींबसब जानते हैं, कोई बोलता नहीं वाली स्थिति। वीडियो सबूत सामने है। धंधा कैमरे में पकड़ा गया है।

धमकी का ऑडियो-वीडियो भी वायरल है। अब सवाल ये नहीं कि कार्रवाई होगी या नहीं सवाल है कि क्या कार्रवाई बिना दबाव और बिना सौदेबाजी के होगी? मांङ्गबेटे का यह गांजा खेल सिर्फ एक अवैध कारोबार नहीं यह पुलिस की कार्यप्रणाली, स्थानीय संरक्षण नेटवर्क और अपराध के बढ़ते साहस का काला आईना है।अब पूरा जिला देख रहा है क्या थानाध्यक्ष विवेक राय इस धंधे का सफाया करेंगे, या हरिओम सिंह की धमकी सच साबित होगी?

एसआईआर: भाजपा मीडिया प्रभारी ने लिया बूथ का जायज़ा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत भाजपा मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह ने मनोहर लाल स्थित बूथ का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने मतदान सूची अद्यतन प्रक्रिया की प्रगति को नजदीक से देखा और बूथ स्तर अधिकारी से आवश्यक जानकारी लेकर अब तक की कार्यवाही की समीक्षा की।

दिवाकर सिंह ने उपस्थित बूथ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कहा कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना चाहिए और इस अभियान का उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे घर-घर संपर्क करें, नये मतदाताओं के नाम जोड़ें और पुराने गलत विवरणों को सुधारने में लोगों की मदद करें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा मतदाता सूची सिर्फ कागज़ नहीं, लोकतंत्र की बुनियाद है।

हमारा लक्ष्य है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न रहे। इस मौके

पर तेजिंदल पाल टिंकल, राजकुमार श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शीतकालीन सत्र को प्रधानमंत्री मोदी ने गरमाया

विपक्ष पर कसा तंज, हार की हताशा से बाहर निकलें

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बिहार के नतीजों का जिक्र किया। साथ ही कहा कि कई दल पराजय के कारण परेशान हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष पराजय की निराशा से बाहर निकले। सोमवार से शुरू हो रहे सत्र के दौरान मना जा रहा है कि सरकार 14 विधेयक पेश कर सकती है।

पीएम मोदी ने कहा, %साथियों, यह सत्र संसद देश के लिए क्या सोच रही है, क्या करना चाहती है, क्या करने वाली है। इन मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए। विपक्ष भी अपना दायित्व निभाए। चर्चा में ऐसे मुद्दे उठाए। पराजय की निराशा में से निकल कर बाहर आए। दुर्भाग्य दुर्भाग्य है कि कुछ दल तो ऐसे हैं कि वे पराजय को ही नहीं पचा पाते। एक दो दल तो ऐसे हैं कि पराजय नहीं पचा पाते हैं।

उन्होंने कहा, मुझे तो लग रहा था कि बिहार के नतीजों को इतने दिन हो गए कि अब सुधर गए होंगे, लेकिन कल जो बयानबाजी सुन रहा हूं उनकी, तो लगता है कि पराजय ने उनको परेशान करके रखा है। मेरा सभी दलों से आग्रह है कि शीतकालीन सत्र में पराजय की बौखलाहट का मैदान नहीं बनना चाहिए। और यह शीतकालीन सत्र विजय के अहंकार में भी परिवर्तित नहीं होना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, बहुत ही संतुलित तरीके से, जिम्मेदारी के साथ, जन प्रतिनिधि के रूप में देश की जनता ने जो दायित्व दिया है। उसे संभालते हुए आगे की सोचें, जो है उसे अच्छा कैसे कर सकें। बुरा है तो सही टिप्पणी कैसे कर सकें, ताकि देश के नागरिकों का ज्ञान वर्धन हो।

प्रियंका ने दिया जवाब

कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि सर और वायु प्रदूषण बहुत बड़े मुद्दे हैं। उन्होंने मीडिया से कहा, आइए इन पर चर्चा करें। संसद किस लिए है? यह कोई नाटक नहीं है। मुद्दों पर बोलना और उन्हें उठाना नाटक नहीं है। नाटक का मतलब है, जनता से जुड़े मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा न होने देना।

प्रधानमंत्री मोदी ही हैं सबसे बड़े ड्रामेबाज, पीएम के बयान पर कांग्रेस ने किया पलटवार

पीएम मोदी के 'ड्रामा' वाले बयान पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। विपक्ष के नेताओं ने इस पर पलटवार किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर संसदीय मर्यादाओं को कुचलने और संसदीय प्रणाली को तहस-नहस करने का आरोप लगाया है। साथ ही पीएम मोदी को सबसे बड़ा ड्रामेबाज बताया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ÷शीतकालीन सत्र के पहले दिन, संसद के सामने मौजूद असली मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपनी ड्रामेबाज़ी की है! सरकार ने पिछले 11 सालों में संसदीय मर्यादा और व्यवस्था को लगातार कमजोर किया है, और यह बात जगजाहिर है।

काटने वाले तो और हैं पार्लियामेंट के अंदर

सत्र के पहले दिन कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी अपने पालतू कुत्ते को लेकर संसद भवन पहुंचीं। इससे नया बखेड़ा खड़ा हो गया। बीजेपी ने उन पर एक्शन लेने की मांग कर दी। बीजेपी की मांग पर रेणुका ने पलटवार किया। रेणुका ने कहा कि इसमें क्या तकलीफ है? गूंगा जानवर अंदर आ गया तो क्या तकलीफ है, इतना छोटा सा तो है। उन्होंने तंज में कहा कि यह काटने वाला नहीं है। काटने वाले तो और हैं पार्लियामेंट के अंदर। रेणुका के इस बयान से विवाद और गहरा गया। बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि अगर सांसद को कुछ विशेषाधिकार मिलता है तो उसका दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

कोलकाता में बीएलओ का भारी विरोध प्रदर्शन

निर्वाचन आयोग के दफ्तर के बाहर हुआ खूब हंगामा

» कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में लगे बीएलओ ने सोमवार को कोलकाता में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बीएलओ ने कोलकाता में निर्वाचन आयोग के दफ्तर के बाहर खूब हंगामा किया। हालात इस कदर बिगड़े कि बीएलओ को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में लगे बीएलओ बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते हफ्ते भी विरोध प्रदर्शन के दौरान बीएलओ ने जबरन राज्य निर्वाचन आयुक्त के दफ्तर में घुसने की कोशिश की थी।

चुनाव आयोग ने कोलकाता के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर निर्वाचन आयुक्त की सुरक्षा में चूक को बेहद गंभीर बताते हुए निर्वाचन अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। एसआईआर प्रक्रिया में लगे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) काम का भारी दबाव होने का आरोप लगा रहे हैं। बूथ लेवल अधिकारियों का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया के चलते उन्हें अमानवीय तनाव झेलना पड़ रहा है। बीएलओ का यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय हो रहा है, जब बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। वहीं भारी काम के दबाव के चलते देशभर से कई बीएलओ की मौत होने का दावा किया जा रहा है। परिवारों का आरोप है कि बीएलओ पर बहुत ज्यादा काम के दबाव डाला जा रहा है।

चुनाव आयोग ने एसआईआर की समयसीमा बढ़ाई

वहीं बीएलओ पर काम के भारी दबाव की खबरों के बीच चुनाव आयोग ने एसआईआर की डेडलाइन सात दिन बढ़ा दी है। अब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक्र) की प्रक्रिया 11 दिसंबर तक चलेगी। पुनरीक्षण की समयसीमा बढ़ाने का एलान करते हुए आयोग ने जो नोटिस जारी किया है, इसके मुताबिक पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची के मसौदे का प्रकाशन 16 दिसंबर को होगा। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदाताओं के नाम दर्ज करने के लिए फॉर्म भरे जाने यानी इन्युमरेशन की अवधि 11 दिसंबर तक बढ़ाई गई है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े हैं 17 लाख से अधिक कर्मचारी

50 करोड़ से अधिक मतदाताओं से जुड़ी इस प्रक्रिया को पूरा करने में 12 राज्यों में बूथ स्तर के 5.32 लाख से अधिक कर्मचारी लगाए गए हैं। पांच लाख से अधिक बीएलओ के अलावा राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट भी इस प्रक्रिया से जुड़े हैं। 12.43 लाख से अधिक बीएलए 12 राज्यों में जारी एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े हैं।

दिल्ली प्रदूषण पर सुको सख्त, कहा- हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकते

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर वायु प्रदूषण संकट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा- मेरे मित्र का कहना है कि मामले की सुनवाई केवल सूचीबद्ध होने से ही इसमें (वायु गुणवत्ता सूचकांक) सुधार हुआ है... यह जरूरी है कि हम इसे तीन-चार महीने बाद सूचीबद्ध करने के बजाय नियमित रूप से सुनें। मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि दीर्घकालिक योजनाएं भी सार्वजनिक हों, उन योजनाओं पर चर्चा और अंतिम रूप दिया जाना आवश्यक है। अब इस मामले पर 10 दिसंबर को सुनवाई होगी।

सुनवाई के दौरान एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि केंद्र ने अल्पकालिक (शॉर्ट टर्म) योजनाओं का शपथपत्र दाखिल किया है और सभी राज्यों व एजेंसियों के साथ बैठकें की गई हैं। अदालत ने पूछा कि इन योजनाओं का वास्तव में कोई असर हुआ भी है या नहीं? सीजेआई ने कहा- आपने जो एक्शन प्लान बनाया था, उससे कितनी सकारात्मक प्रगति

हुई? हमें यह जानना जरूरी है। पहले हमें ये भी पता नहीं कि कौन-से कदम उठाए गए।

पराली जलाने की पर भी चर्चा

इस दौरान एएसजी ने स्वीकार किया कि राज्यों का लक्ष्य शून्य पराली जलाना था, लेकिन उसे हासिल नहीं किया जा सका। इस पर सीजेआई ने कहा, पराली जलाना अकेला कारण नहीं है। कोविड के समय भी पराली जलाई जा रही थी, लेकिन तब आसमान बिल्कुल नीला और साफ था। सीजेआई ने यह भी कहा कि पराली के मुद्दे को राजनीतिक या अहं का विषय न बनाया जाए- किसान अगर पराली जला रहा है तो इसकी एक आर्थिक वजह है। वह एक संसाधन भी है और एक वस्तु भी

कौन-कौन जिम्मेदार?

एएसजी भाटी ने आईआईटी की 2016 और 2023 रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा, इसमें सबसे बड़ा योगदान वाहनों का है। उसके बाद धूल और औद्योगिक इलाकों का प्रदूषण और पराली जलाना सिर्फ एक सीमित समय की समस्या है। अदालत ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह में रिपोर्ट दी जाए जिसमें पराली के अलावा अन्य कारण- जैसे वाहन, निर्माण, धूल - पर अब तक कितनी कार्रवाई हुई और उसका क्या असर पड़ा, इसकी विस्तृत जानकारी हो।

इस दौरान एक वकील ने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर दोनों तरफ वाहन खड़े होने से ट्रैफिक और प्रदूषण बढ़ता है। यह भी बताया गया कि दिल्ली में वाहनों की संख्या अन्य सभी महानगरों के कुल वाहनों से भी अधिक है।

दिल्ली ब्लास्ट में गिरफ्तार डॉक्टर शाहीन के घर एनआईए का छापा

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के खंदारी बाजार क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब सोमवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम दिल्ली विस्फोट कांड की मुख्य आरोपी डॉ शाहीन के घर पहुंची। एनआईए के अधिकारियों ने डॉ शाहीन के आवास पर करीब छह घंटे तक छापेमारी की और घर की गहन तलाशी ली। घर में मौजूद शाहीन के पिता और भाई शोएब से पूछताछ भी की। कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक डिवाइस कब्जे में लेने की बात कही जा रही है। टीम के बाहर निकलने पर मीडिया ने बात करने की भी कोशिश की लेकिन किसी सदस्य ने कोई जवाब नहीं दिया।

दिल्ली में पिछले महीने लाल किले पर हुए कार ब्लास्ट में डॉ शाहीन को मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा है। इस मामले में पहले ही कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और जांच के दौरान नाम सामने आने के बाद एटीएस ने शाहीन के भाई परवेज को भी लखनऊ से गिरफ्तार किया था। परवेज अलग घर लेकर रहता था। तब उसके घर से दस्तावेज, लैपटॉप, मोबाइल फोन और अन्य संदिग्ध सामग्री जब्त की गई थी।

आज एनआईए के पहुंचने पर इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। खंदारी बाजार की कई गलियों में आम लोगों की आवाजाही भी रोक दी गई। बताया जा रहा है कि टीम में फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी शामिल हैं। अलसुबह करीब छह बजे टीम शाहीन के घर पहुंची और एक-एक कोने की गहन तलाशी ली है। शाहीन के घर आठ सदस्यीय एनआईए की टीम पहुंची थी। इसके अलावा दो अन्य टीमें भी लखनऊ पहुंची हैं। एक टीम शाहीन के भाई परवेज के घर पहुंची है और दूसरी टीम शहीन के एक करीबी के घर पर छापेमारी के लिए गई है। शाहीन की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में लगातार हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं।